ftTHE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS/ विदेश मन्त्रालय में उप-मन्त्री (SHRI SURENDRA PAL SINGH) : (a) High **Commission of India, London.**

(b) The department wise expenditure on the High Commission is as under :

		1969-70	1970-71	B. G. 1971-72
			(in lakhs of Rupees)	
1. E. A.	...	120.43‡	129.08‡	126.46‡
2. Commerce	...	10.31	10.79	9.45
3. Education	...	5.41	5.47	5.05
4. Health	...	1.60	1.39	1.41
5. Transport	...	2.89	3.61	3.33
6. Tourist	...	3.57	2.11	2.14
7. Railway	...	5.44	7.15	6.37
8. Works, Housing and Supply	...	64.96	65.40	65.18
9. Communication	...	0.07	—	—
10. Defence	...	35.84	38.99	38.21
	Total	250.52	263.99	257·60

‡Includes expenditure on posts meant for common services of all the Departments of the High Commission.]

इस्पात का उत्पादन करने के लिये सस्ता और क्रांतिकारी तरीका

944. डा० भाई महावीर :
श्री जगदीश प्रसाद माथुर :
श्री सुन्दर सिंह भंडारी :
श्री लाल अडवाणी :
श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :
श्री ना० कृ० शेजवलकर :

क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि श्री इकबाल कृष्ण भारती के इस्पात बनाने के अत्यन्त सस्ते तथा क्रांतिकारी तरीके को हिन्दुस्तान स्टील ने पश्चिम जर्मनी के मैसर्स हैनरिच कोपर्स के पास व्यावहारिकता की जांच के लिये भेजा था और उन्होंने उक्त तरीके का अनुमोदन किया था ;

(ख) क्या यह भी सच है कि पिछले दो वर्षों से क्रांतिकारी तरीके को अपनाने के सम्बध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है ; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में पूरा विवरण तथा भावी योजना क्या है ?

f [CHEAP AND REVOLUTIONARY PROCESS FOR PRODUCING STEEL

944. DR. BHAI MAHAVIR :
SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR:
SHRI SUNDAR SINGH BHANDARI :
SHRI LAL K. ADVANI :
SHRI J. P. YADAV :
SHRI N. K. SHEJWALKAR :

Will the Minister %wm <au m* H^T of STEEL AND MINES/SSqTcT <Hk ^IT H?ft be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Hindustan Steel had referred to M/s. Henrich Coopers of West Germany, a very cheap and revolutionary process of producing steel, evolved by Shri Iqbal Krishan Bharati for submitting a feasibility report thereon, and the said process was approved by them ;

(b) whether it is also a fact that no

j[ ] English translation.

decision has been taken regarding the adoption of the revolutionary process for the last two years ; and

(c) if so, tne full details and the future plan in this respect ?]

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाह नवाज़ खान) : (क) जी नहीं ।

(ख) भारती प्रक्रिया की शक्यता के बारे में अभी राय कायम की जानी है ।

(ग) अब तक की गई और आगे की जाने वाली कार्यवाही के बारे में एक विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

श्री भारती द्वारा बताई गई प्रक्रिया में एक स्टैटिक आयताकार चैम्बर में नान कोकिंग कोयले से पैदा की गई कार्बन मोनोक्साइड तथा हाइड्रोजन की सहायता से आयरन आक्साइद की रिडक्शन से लोह खनिज से स्पंज आयरन के उत्पादन की परिकल्पना की गई है । मार्गदर्शी परीक्षण करने के प्रश्न पर विचार करने से पूर्व बहुत सी जटिल तकनीकी समस्याओं का समाधान आवश्यक है ।

2. सरकार ने 2-6-71 को इस प्रक्रिया का विस्तृत अध्ययन करने और इसकी शक्यता के बारे में रिपोर्ट देने के लिए एक विशेषज्ञ समिति नियुक्त की थी । इस समिति में निम्नलिखित सम्मिलित थे :-

1. डा० वी० ए० आलतेकर — अध्यक्ष
   निदेशक,
   राष्ट्रीय धातु कर्म प्रयोगशाला,
   जमशेदपुर ।

2. डा० ब्रह्म प्रकाश, — सदस्य
   निदेशक,
   धातु कार्मिक मंडल,
   भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र,
   बम्बई ।

3. डा० आर० वी० तमहैकर, — सदस्य
   निदेशक,
   रक्षा धातु कर्म प्रयोगशाला,
   हैदराबाद ।

4. प्रो० टी० आर० अनन्तरमण, — सदस्य
   प्रधान धातु कर्म विभाग,
   बनारस हिन्दु विश्व विद्यालय,
   वाराणसी ।

5. श्री के० सी० मोहन, — सदस्य
   उप मुख्य इंजीनियर,
   केन्द्रीय इंजीनियरी तथा रूपांकन ब्यूरो, रांची ।

3. विशेषज्ञ समिति ने 9-8-71 को सरकार को अपना प्रतिवेदन दे दिया । सभी उपलब्ध डेटा पर ध्यान पूर्वक विचार करने के पश्चात् समिति एक मत से इस निष्कर्ष पर पहुंची है की श्री भारती की धारणा के पीछे मूल विचार अर्थात कोक ओवन की किस्म के चेम्बर के कार्बन आक्साइड तथा हाइड्रोजन के मिश्रण से गैसियस रिडक्शन से स्पंज आयरन का उत्पादन करना और बाद में एक मशीन द्वारा धकेलकर इसे निकालना तकनीकी दृष्टि से सम्भव नहीं है ।

4. देश में कोकिंग कोयले की कमी को देखते हुए नान कोकिंग कोयले पर आधारित लोहा बनाने की कोई भी प्रक्रिया आकर्षक सिद्ध होगी । इसलिए विशेषज्ञ समिति के निष्कर्षों का बहुत प्रचार किया गया है और इसी विषय में रुचि रखने वाले वैज्ञानिकों धातु कर्मियों से श्री भारती द्वारा सुझाई गई प्रक्रिया की संभावनाओं पर अपने विचार भेजने के लिए कहा गया है । कुछ वैज्ञानिकों ने रिपोर्ट की प्रतियां मांगी थीं जो उनको भेज दी गई हैं । 30 नवम्बर 1971 तक प्राप्त हुई टिप्पणियों/सुझावों पर विचार करने के पश्चात विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के साथ-साथ इस प्रक्रिया की शक्यता पर निर्णय लेने का विचार है ।

t[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES/ इस्पात और खान मन्त्रालय में राज्य मंत्री (SHRI SHAH NAWAZ KHAN) : (a) No, Sir.

(b) A view has yet to be taken on the feasibility of the 'Bharati Process'.

(c) A statement, indicating the action taken so far and the further action proposed, is laid on the Table of the House.

STATEMENT

The process indicated by Shri Bharati envisages production of sponge iron from iron ore in a static rectangular chamber by the reduction of iron oxide with the help of carbon monoxide and hydrogen generated from non-coking coal. A number of complex technical problems have to be resolved before considering the question of uuder-taking pilot tests.

2. Government set up a Committee of Experts on 2 6.71 to make a detailed study of the process and report on the potentialities for exploitation thereof. The composition of the Committee was as follows :—

1. Dr. V. A. Altekar, Director, National Metallurgical Laboratory, Jamshedpur.	Chairman
2. Dr. Brahm Prakash, Director, Metallurgy Group, Bhabha Atomic Research Centre. Bombay.	Member
3. Dr. R. V. Tamhankar Director, De--fence Metallurgical Laboratory, Hyderabad.	do.
4. Prof. T. R. Ananthararaman, Head of the Metallurgical Department, Banaras Hindu University, Banaras.	do.
5. Shri K. C. Mohan, Deputy Chief Engineer, Central Engineering & Design Bureau, Ranchi,	do.

3. The Committee of Experts submitted its report to Government on 9.8.71. After careful consideration of all available data, the Committee has come to the unanimous conclusion that the basic idea underlying the concept of Shri Bharati, namely, production of sponge iron in a coke oven type chamber through gaseous reduction by a mixture of carbon monoxide and hydrogen and its subsequent discharge by a pusher is not a technically feasible proposition.

4. In view of the shortage of coking coal in the country, any process of iron making which is dependent on non-coking coal would have attractive potentialities. The findings of the Expert Committee have, therefore, been given wide publicity and scientists/metallurgists who might be interested in the subject were requested to give their comments by 30.11.1971, on the possibilities of exploitation of the process suggested by Shri Bharati. Some scientists had asked for copies of the Report which have been sent to them. It is proposed to take a view on the feasibility of the process after considering the cmoments/suggestions received along with the Report of the Expert Committee.]

t [J English translation.

PERMANENT SEAT IN THE SECURITY COUNCIL

945. SHRI SITARAM JAIPURIA : SHRI SITARAM KESRI :

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS/fa%5T W^T be pleased to state :

(a) the names of the countries who have sought for the permanent seat in the Security Council of the United Nations ;

(b) whether India has also preferred her claim for the permanent membreship of the Council ;

(c) if so, what is the reaction of other foreign countries thereto ; and

(d) whether there is a demand for the amendment of the U. N. Charter with a view to giving more representation to the Asian and African countries ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS/ विदेश मन्त्रालय में उपमंत्री (SHRI SURENDRA PAL SINGH) : (a) We are not aware of any formal proposal of any Government to be given a permanent seat in the Security Council of the United Nations.

(b) No, Sir.